• बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र में गुणवत्ता वाले पर्याप्त बीज मिल सकेंगे

बीज प्रसंस्करण इकाई का शिलान्यास, वैज्ञानिकों ने किसानों से संवाद किया

सिटी रिपोर्टर | अजमेर

राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र में शनिवार को नए बीज पर संस्करण इकाई का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिलान्यास भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली व सचिव कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा वित्त पोषित 119.5 लाख की लागत से बने बीज प्रसंस्करण इकाई की क्षमता एक टन प्रति घंटा है।

संस्थान के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने बताया की बीज प्रसंस्करण इकाई का निर्माण होने से किसानों को बीजीय मसाला फसलों की गुणवत्ता युक्त बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो सकेगा। किसान अधिक उपज प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त बीज प्रसंस्करण इकाई के बनाने से किसान दूसरी फसलों का भी

बीजीय संस्करण इकाई का शिलान्यास किया।

क्लीनिंग और ग्रेडिंग करवाकर बाजार में अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। परियोजना प्रभारी डॉ. संजय कुमार ने बताया की यह बीज प्रसंस्करण इकाई अजमेर क्षेत्र की सबसे बड़ी बीज इकाई बनेगी। इसके बनने से किसानों को बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के अलावा युवाओं को इस क्षेत्र में उद्यमिता के अवसरों के बारे में भी प्रशिक्षण भी दिया जा सकेगा। इस अवसर पर डॉ. हिमांशु पाठक ने राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र में एक सेल्फी पोइंट का उद्घाटन भी किया। इस मौके पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से डॉ देवेन्द्र कुमार यादव सहायक महानिदेशक (बीज), डॉ. सुधाकर पाण्डेय उप-महानिदेशक (बागवानी), डॉ. जगदीश राणे निदेशक केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान बीकानेर व जीपी शर्मा सयुंक्त सचिव (वित्त) भी उपस्थित थे।

पेस्टीसाइडमुक्त जीरा पैदा करने का आह्वान किया

राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र में किसान- वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ बलराज सिंह ने किसानों से पेस्टीसाइड मुक्त जीरा उत्पादन करने का आह्वान किया। जिससे की देश से होने वाले निर्यात में वृद्धि होने के साथ ही देश के नागरिकों को भी हानिकारक रसायन मुक्त अच्छी गुणवत्ता वाले बीजीय मसाले मिल सके। किसानों को गुढ़ा कुमावतान और बसेड़ी (राजस्थान का इजराइल) की तर्ज पर वर्षा जल संचयन करने के लिए प्रेरित किया। केंद्र के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने बदलती जलवायु के अनुसार बीजीय मसालों की नई किस्मों का विकास करने का विश्वास दिलाया। बीजीय मसालों में रोगों एवं कीटों के पूर्वानुमान की सूचना के बारे में अनुसंधान करने की बात कही।